Monthly Digital News letter of Maharishi World
महर्षि संवत्सर 109 • विक्रम संवत्सर 2083 • वैशाख शुक्ल पक्ष 14 • गुरुवार 30, अप्रैल 2026
Volume - 203 | April 2026

e-Gyan

• E-mail - cpr@mssmail.org • Website - www.e-gyaan.net

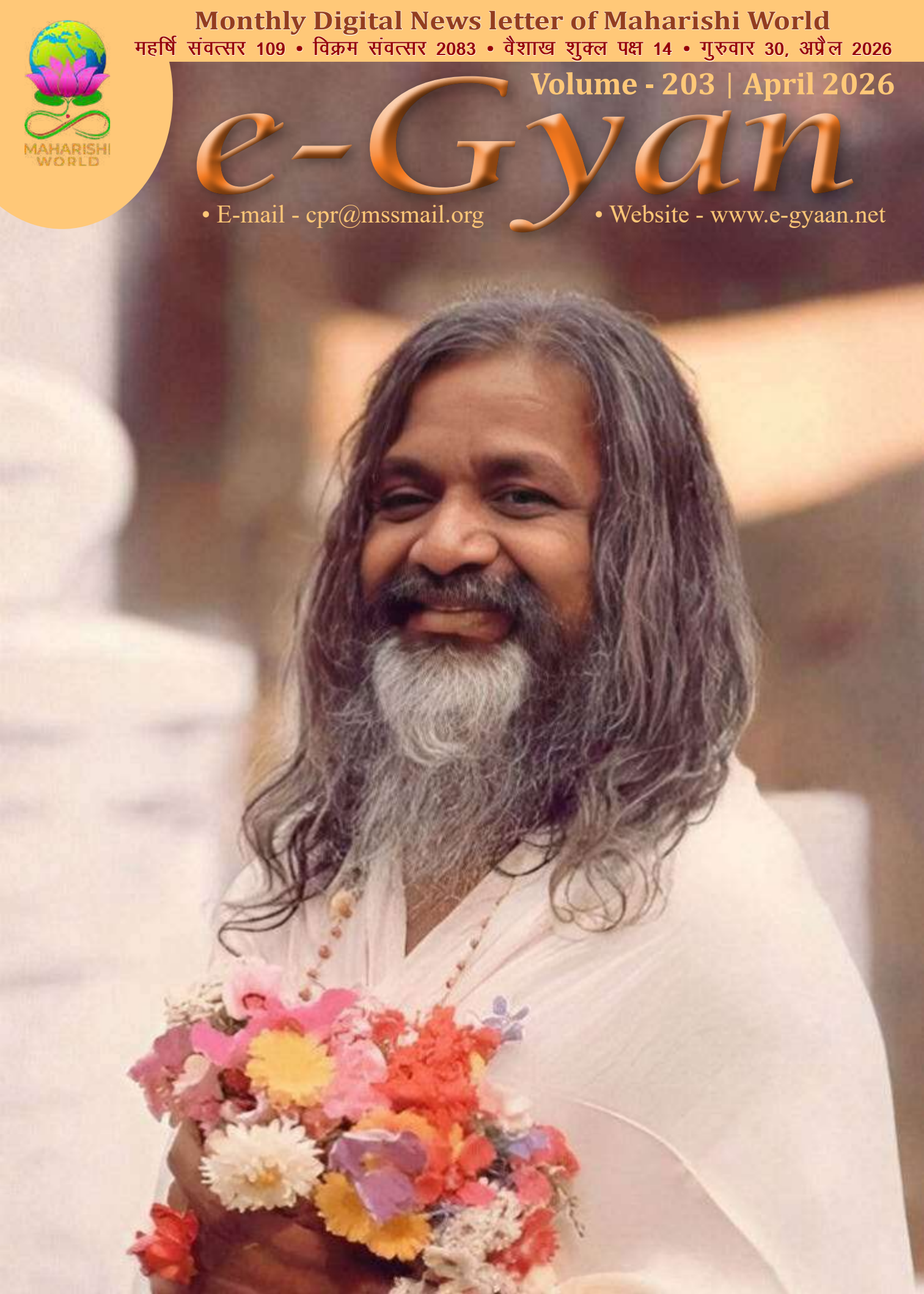

Maharishi Speaks to Students

The role of students in making the nation invincible

The role of students in making the nation invincible; developing the full potential of mind and body, becoming an ideal citizen, and raising the nation to invincibility.

Main Points:-

1. The role of students in making the nation invincible is a fundamental role, because the students of today are the wise citizens of tomorrow.

2. The behaviour of every student influences national consciousness and determines the degree to which the nation is coherent, integrated, strong, harmonious, and progressive. Every student can make his country great by developing the full value of his mind and body and thereby becoming great himself.

3. It is the aspiration of every student to be a great citizen, and because knowledge is the basis of success in all areas of life, every student must gain as much knowledge as possible during his student life.

4. Life has innumerable aspects, and a student should be the master of every situation. In order for his life to be free from mistakes and always successful, a student must develop a high level of coherence and alertness in his thinking; and in order to maintain ideal relationships with everyone, his feelings must be very harmonious.

5. It is necessary for students to be disciplined in their habits in order to be fresh and well rested at all times. In this rested, lively state, the mind registers very quickly and thoroughly whatever one studies.

6. With the practice of Maharishi's Transcendental Meditation every morning and evening, the mind becomes so clear, alert, and brilliant that the knowledge of every discipline is easily gained.

7. The regular practice of Maharishi's Transcendental Meditation Technique develops the full creativity of the student's mind, so that his thoughts are very useful and powerful and are supported by Natural Law. Transcendental Meditation enlivens and unfolds the unbounded intelligence inherent in every individual and allows his hidden genius to be expressed in every thought and action.

8. The role of students in structuring invincibility for the nation is to develop maximum alertness of the mind, perfect health, and ideal behaviour, which always serves the interests of both the individual and his surroundings.

9. The practice of Maharishi's Transcendental Meditation eliminates all fatigue, stress, and strain, which are the basis of sickness: the whole system becomes normalized and on this basis the student enjoys perfect health and develops his full inner genius.

10. Every student must rise to the state of enlightenment, the state of perfect integration of mind and body.

11. The potential of every man is infinite, and the time of student life should serve to unfold that infinite potential so that every student becomes a vibrant centre of all knowledge. By developing the infinite potential of their own lives through Maharishi's Science of Creative Intelligence, students will ensure that the nation automatically rises to invincibility.

भीतरी परिवर्तन

ब्रह्मचारी गिरीश जी, अध्यक्ष
महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

एक सुंदर जापानी कहानी है। एक आदमी चट्टानों को तराशने का कार्य करता था। वह कड़ा परिश्रम करता, किंतु कमाई कुछ विशेष नहीं होती। वह असंतुष्ट रहता था। वह आहें भरा करता। एक बार वह चिल्लाकर बोला, काश! मैं इतना धनवान होता कि रेशमी गद्दों पर आराम करता। स्वर्ग से एक देवदूत आया और बोला, तुमने जो कहा, तुम वही हो जाओ। वह आदमी धनवान हो गया, उसने रेशम के गद्दे पर स्वयं को बैठा हुआ पाया। तभी वहाँ से उस देश का राजा निकला। उसके रथ के आगे और पीछे घुड़सवार चल रहे थे और सिर के ऊपर सोने का छत्र लगा हुआ था। जब उस धनवान ने यह दृश्य देखा, तो वह अपनी स्थिति से असंतुष्ट हो गया। आहें भरते हुए चिल्लाया, मैं राजा बनना चाहता हूँ। देवदूत फिर आया और बोला, तुमने जो कहा, तुम वही हो जाओ। अचानक उस धनवान ने स्वयं को रथ पर पाया। उसके आगे घुड़सवार चल रहे थे, पीछे घुड़सवार चल रहे थे और ऊपर छत्र लगा हुआ था। उस दिन सूरज तमतमाता हुआ धरती को ऐसे झुलसा रहा था कि जैसे सब कुछ स्वाहा हो जाएगा। राजा को शिकायत हुई कि सूरज की शक्ति उससे अधिक है। वह असंतुष्ट हो गया। वह चिल्लाया, मैं सूरज होना चाहता हूँ। देवदूत आया और कहा, तुमने जो कहा, तुम वही हो जाओ। राजा सूरज बन गया। उसने धरती की सारी खर–पतवार जला दी और पृथ्वी के समस्त राजाओं के काफिलों को झुलसा दिया। फिर एक बादल आया और उसके व पृथ्वी के बीच अड़ गया। इस प्रकार वह बादल बन गया। बादल ने धरती पर मोटी–मोटी बूँदें बरसाईं, जिनसे नदियों में बाढ़ आ गई, घर बह गए, खेत नष्ट हो गए। उसकी बूँदें एक चट्टान पर गिरीं, जो टस से मस न हुई। बादल क्रोधित हो गया, क्योंकि चट्टान उसकी शक्ति के सामने झुक नहीं रही थी। वह चिल्लाया, मैं चट्टान होना चाहता हूँ। देवदूत ने चट्टान बना दिया। तभी एक आदमी छैनी व हथौड़ी लिए हुए आया और चट्टान को तराशने लगा। चट्टान ने सोचा कि इस आदमी के पास इतनी शक्ति कैसे है, जो मेरी छाती से पत्थर तराश रहा और वह असंतुष्ट हो गया। वह चिल्लाया, मैं कमजोर हूँ। मैं आदमी बनना चाहता हूँ। देवदूत ने फिर से उसे संगतराश बना दिया। अब भी वह कड़ा परिश्रम करता और थोड़ी सी कमाई होती, मगर उसी में संतुष्ट था।

संतोष का अर्थ उस सबके प्रति बोध से भरना है, जो तुम्हारे पास है। यदि तुम्हें एक झलक भी मिल जाए कि कितना कुछ तुम्हें मिला हुआ है, तो क्या तुम्हारी अपेक्षा रह जाएगी?

अधिक की अपेक्षा करना मात्र अनुग्रह की कमी है। यदि तुम पूरे परिप्रेक्ष्य को देख पाओ, तो जो तुम्हें मिला है, तो उसके प्रति अहोभाव से भर जाओगे। जब हम चर्चा करते हैं कि परिवर्तन कैसे लाया जाए, तो उस परिवर्तन से हमारा तात्पर्य सामान्यतः सतही परिवर्तन से होता है। दृढ़ निश्चय, निष्कर्ष, विश्वास, नियंत्रण और झिझक के द्वारा हम उस सतही लक्ष्य तक पहुँचने के लिए संघर्ष करते हैं, जिसे चाहते हैं या जिसके लिए हम लालायित हैं। हम यह उम्मीद लगाते हैं कि उस तक पहुँचने में अचेतन मन, हमारे मन के गहरे स्तर तक हमारी सहायता करेंगे। हमें लगता है कि यह आवश्यक है कि हम उन गहरे स्तरों को अनावृत्त करें, परंतु सतही स्तरों और तथाकथित गहरे स्तरों के बीच एक शाश्वत द्वंद्व है। मनोवैज्ञानिक इससे भली–भाँति परिचित हैं। क्या यह परिवर्तन लाएगा? क्या यह हमारे दैनिक जीवन का सर्वाधिक मूलभूत और महत्वपूर्ण प्रश्न नहीं है कि कैसे अपने आप में एक आमूल परिवर्तन लाया जाए? क्या सतही स्तर पर कुछ बदलाव वह परिवर्तन ला सकेंगे? क्या चेतना के 'मैं' के विभिन्न स्तरों को समझना, अतीत अर्थात् बचपन से आज तक के विभिन्न व्यक्तिगत अनुभवों को अनावृत्त करना, अपने माता–पिता, पूर्वजों व परिवार के सामूहिक अनुभवों का स्वयं में निरीक्षण करना, उस समाज विशेष की संस्कारबद्धता का अनुसंधान करना, जिसमें हम रहते हैं, क्या यह सब विश्लेषण ऐसा परिवर्तन ला पाएगा, जो छिटपुट सामंजस्य बिठाना भर न हो? मैं यह महसूस करता हूँ और निस्संदेह आपको भी यह महसूस होता होगा कि व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन आवश्यक है। एक ऐसा परिवर्तन, जो प्रतिक्रिया मात्र नहीं है, जो परिवेश की माँगों के दबाव और तनाव का परिणाम नहीं है। ऐसा परिवर्तन कैसे लाया जाए? चेतना मानव जाति के अनुभव का योग तो है ही, उसमें वर्तमान से अपना विशिष्ट संपर्क भी जुड़ा है, क्या वह चेतना यह परिवर्तन ला सकती है? क्या अपनी चेतना व गतिविधियों का मेरा अध्ययन मन को यूँ स्थिर कर सकता है, जिससे वह बिना निंदा के निरीक्षण कर सके?

परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रतिपादित भावातीत ध्यान के प्रातः एवं संध्या के समय 15 से 20 मिनट नियमित अभ्यास से स्वयं में स्थित होकर जब हम स्वयं का अवलोकन करते हैं तो हम पाते हैं कि प्रत्येक परिवर्तन जब प्रकृति के नियमों के अनुकूल होता है तो वह हमें भीतर एवं बाहर से जोड़ता है, एक अनुकूलनशीलता का अनुभव होता है जो हमें परिवर्तनों के प्रति सकारात्मक दृष्टि देता है। तब यह हमें उत्तरोत्तर प्रसन्नता का अनुभव होता है क्योंकि जीवन संघर्ष नहीं आनंद है।

जय गुरु देव
जय महर्षि जी

Shri Hanuman Jayanti

Shri Hanuman Jayanti Celebration

THOUSANDS JOIN RECITING OF 11 PATHS OF 'HANUMAN CHALISA'

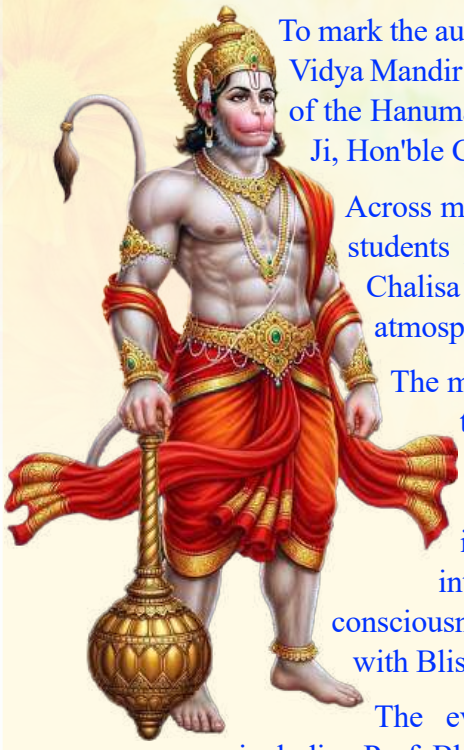

To mark the auspicious occasion of Hanuman Jayanti, Maharishi Institutes and Maharishi Vidya Mandir Schools Group organised a grand spiritual event featuring a mass recitation of the Hanuman Chalisa. The event was led by Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman of Maharishi Viduya Mandir Schools Group.

Across multiple states in India, thousands of Vedic scholars, officials, teachers, and students participated in this sacred gathering. Together, they chanted Hanuman Chalisa 11 times in unison, creating a deeply powerful and unifying spiritual atmosphere.

The main celebration took place at Maharishi Mangalam Bhavan, Bhopal. Prior to the recitation, Brahmachari Girish Ji highlighted the significance of collective prayer. He explained that such spiritual practices help awaken positive qualities like wisdom, strength, enlightenment and devotion in individuals. He further emphasized that this large-scale initiative is not only intended to purify individual consciousness but also to elevate global consciousness, while invoking blessings of Shri Hanuman Ji to fill the entire humanity with Bliss which was vision of Maharishi Mahesh Yogi Ji.

The event witnessed the presence of several distinguished personalities, including Prof. Bhuvnesh Sharma, former Vice-Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishvavidyalaya, directors, staff members of Maharishi Organisations and a large number of students who actively participated in this spiritually enriching gathering.

Shri Hanuman Jayanti celebrated in various Maharishi Vidya Mandir Schools

MVM Schools celebrated Shri Hanuman Jayanthi on 2nd April 2026 with great devotion and enthusiasm. The programme began with Guru Parampara Pooja, followed by Pranayam and group TM, creating a peaceful atmosphere.

The school's Principals spoke about the importance of the day and explained the qualities of Lord Hanuman such as devotion, strength and humility. After the speech, the Principals, teachers and students chanted the Hanuman Chalisa for 11 times in unison with devotion. Students also watched the live telecast on Ramraj TV and participated in chanting. The programme ended with the distribution of Prasad to all. The celebration was successful and helped to promote discipline, unity, and spiritual values among students.

These celebrations at various MVM Schools are depicted through the pictures given below:-

Maharishi Vidya Mandir - I Almora

Maharishi Vidya Mandir - I Almora

Maharishi Vidya Mandir, Badaun

Maharishi Vidya Mandir, Badaun

Maharishi Vidya Mandir, Berasia

Maharishi Vidya Mandir, Berasia

Maharishi Vidya Mandir - III Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - I Gorakhpur

Maharishi Vidya Mandir - II Indore

Maharishi Vidya Mandir - II Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir, Khatima

Maharishi Vidya Mandir - I, Nadaun

Maharishi Vidya Mandir, Mankapur

Maharishi Vidya Mandir, Mankapur

Maharishi Vidya Mandir, Nadaun (Main)

Maharishi Vidya Mandir, Nadaun (Main)

Maharishi Vidya Mandir, Prayagraj Jhunsi

Maharishi Vidya Mandir - II, Naini Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir - I, Raipur

Maharishi Vidya Mandir, Rudrapur

Maharishi Vidya Mandir, Rampur

Maharishi Vidya Mandir, Rampur

Maharishi Vidya Mandir, Haridwar

Maharishi Vidya Mandir, Shahdol

Maharishi Vidya Mandir, Shajapur

Maharishi Vidya Mandir, Sitapur

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

MSE Chennai

Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan

Maharishi Vidya Mandir - V, Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - I, Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - I, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - III, Jabalpur

Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya

अक्षय तृतीया पर्व एवं सहस्र शीर्षा पुरुषा मंडल के स्थापना दिवस के अवसर पर सामूहिक यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार का आयोजन

महर्षि महेश योगी संस्थान भोपाल में अक्षय तृतीया पर्व एवं सहस्र शीर्षा पुरुषा मंडल के स्थापना दिवस के अवसर पर सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न हुआ। यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि सर्वप्रथम सभी को अक्षय तृतीया पर्व एवं भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं क्योंकि आज के मुहूर्त में जो भी व्यक्ति जन्मा है वह चिरंजीवी हो जाता है। इसके साथ–साथ आज के दिन जिन–जिन लोगों ने दीक्षा ली है वह सभी सर्वव्यापी हो जाते हैं। इसलिए आज हम सभी लोगों को मिलकर अपने जीवन एवं संपूर्ण विश्व परिवार के लिए अक्षय संकल्प लेना चाहिए।

ब्रह्मचारी गिरीश जी का कहना था कि 'समस्त महर्षियों, ऋषियों महात्माओं, संतों और राजर्षियों के संकल्प पूर्ण हो जायें यह हम सभी लोगों को मिलकर संकल्प लेना चाहिए क्योंकि इसमें सार्वभौमिक कल्याण की भावना सम्मिलित है।'

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने बताया कि यज्ञोपवीत संस्कार से बटुकों को जीवन में शिक्षा एवं दीक्षा के साथ–साथ भावातीत की चेतना में स्थित होकर संपूर्ण संकल्प लेना चाहिए ताकि हम सभी को पूर्ण जागृत की चेतना प्राप्त हो जाए। इसके लिए हमें नियमित भावातीत ध्यान एवं सिद्धि करना होगा।

सहस्र शीर्षा पुरुषा मंडल के स्थापना दिवस पर ब्रह्मचारी जी ने बताया कि सहस्र शीर्षा का तात्पर्य हजारों शीश से है। इसलिए संकल्प सिद्धि हमारी हजार गुना बढ़ जाएगी जो कि आज मनाई जा रही अक्षय तृतीया का पुण्य–प्रताप है। इसलिए आज एक बड़ा एवं महत्वपूर्ण अवसर है।

इसके बाद 21 वैदिक पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उपस्थित समस्त बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि संस्थान की परंपरा अनुसार गुरु पूजन से प्रारंभ हुआ था इसके पश्चात वैदिक विधि विधान से यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में यज्ञोपवीत ग्रहण करने वाले बटुकों के माता–पिता एवं अभिभावक भी उपस्थित थे।

इस दौरान मंच पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. भुवनेश शर्मा के साथ महर्षि संस्थान के निदेशकगण भी उपस्थित थे।

AKSHAYA TRITIYA CELEBRATED IN VARIOUS MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

The auspicious occasion of Akshaya Tritiya was celebrated with devotion and enthusiasm across all Maharishi Vidya Mandir schools under the guidance of their respective Principals. Programmes began with Shri Guru Parampara Poojan, creating a serene and spiritual atmosphere. This was followed by group practice of Transcendental Meditation, where students and teachers experienced inner silence and deep relaxation, reinforcing the importance of inner peace in holistic education.

Principals addressed the gatherings, highlighting the significance of Akshaya Tritiya as a symbol of prosperity and positivity. They encouraged students to adopt good values, positive thinking, and regular practice of TM. The celebrations concluded with cultural performances based on devotional songs, traditional dances and speeches, showcasing students' talents and the cultural importance of the occasion. Overall, the event reflected the core values of Maharishi Vidya Mandir Schools Group.

These celebrations at various MVM Schools are depicted through the pictures given below:-

Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan

Maharishi Vidya Mandir, Balasore

Maharishi Vidya Mandir, Badaun

Maharishi Vidya Mandir, Badaun

Maharishi Vidya Mandir - I, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - II, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - III, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Gorakhpur

Maharishi Vidya Mandir - II, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - IV, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir, Haridwar

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Maharishi Vidya Mandir, Nadaun (Main)

Maharishi Vidya Mandir, Jhunsi Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir - I, Raipur

Maharishi Vidya Mandir, Rudrapur

Maharishi Vidya Mandir, Satna

Maharishi Vidya Mandir, Shahdol

Maharishi Vidya Mandir, Sultanpur

Maharishi Vidya Mandir, Sultanpur

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tumsar

Maharishi Vidya Mandir - Uttarkashi

Maharishi Vidya Mandir - Uttarkashi

Maharishi Vidya Mandir, Rayagada

Maharishi Vidya Mandir, Rayagada

Maharishi Vidya Mandir - II, Naini Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir - I, Aligarh

Maharishi Vidya Mandir, Panna

Maharishi Vidya Mandir, Basti

Maharishi Vidya Mandir - I, Nadaun

Maharishi Vidya Mandir, Mandla

Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Maharishi Vidya Mandir, Gurugram

Maharishi School of Excellence, Chennai

Maharishi Vidya Mandir - I, Almora

Maharishi Vidya Mandir - I, Almora

Events, Celebrations and Co-curricular activities organised in various Maharishi Vidya Mandir Schools

MVM Chhindwara

World Health Day Celebration

World Health Day was celebrated on 7th April 2026 to raise awareness about global health issues. On this occasion, Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara organised series of activities to promote awareness about physical and mental well-being among students.

The celebration aimed to encourage students to adopt healthy habits, understand the importance of hygiene, balanced nutrition and regular exercise, and to develop a sense of responsibility towards maintaining overall well-being. The program commenced with a special morning assembly, where the importance of good health was highlighted. The Principal, MVM Chhindwara, Sushri Shraddha Tripathi addressed the gathering and emphasized the need for a healthy lifestyle and disciplined daily routine. A special highlight of the event was a skit presented by students from Vatika 1 to class 2. Their enthusiasm was greatly appreciated by the audience.

MVM - IV Guwahati

MEXT (Ministry of Education, Culture, Sports, Science and Technology of Japan) provides one of Asia's biggest and most lucrative scholarships to around 100 Undergraduate students worldwide. The undergraduate scholarship has been provided to 7 students of India this year.

Master Chirag Chetri from MVM-IV Guwahati is one of such recipients. He is the only recipient from Northeast this year and possibly in the history of MEXT scholarships in India. The scholarship provides students the opportunity to study in top universities in Japan with their education and accommodation being fully funded by the Japanese Government. The education costs are waived completely and a standard stipend of 120,000 yen per month is provided for sustenance. Chirag has decided to pursue the field of Aerospace engineering in Japan.

MVM Jammu

Students of Maharishi Vidya Mandir, Jammu visited IIT Jammu to participate in Bhautiki Sangam, an engaging academic event organized by the Department of Physics. During the visit, they had the privilege of interacting with Padmashri Prof. H. C. Verma, whose insights inspired and motivated them. The students also explored the Department of Physics, gaining exposure to its academic environment and learning opportunities. Overall, the visit proved to be an inspiring and thoughtful educational experience, broadening the students' perspectives and deepening their interest in science.

Health Camp under 'Nasha Mukht Abhiyan' at MVM Jammu

During 'Nasha Mukht Abhiyan' a Health Camp was organized at MVM Jammu on 25th April 2026 by Govt. Ayurvedic Hospital, Jammu.

The camp was conducted by the medical team of doctors under the guidance of Dr. Aruna Bhat, Medical Superintendent, Govt. Ayurvedic Hospital, Jammu. Students and staff members underwent general health check-ups and consultations conducted by the medical team. In addition, students received valuable Ayurvedic guidance on immunity, healthy lifestyle practices and natural ways to remain drug-free and fit. The Principal of MVM Jammu Shri Vishnu Govind Verma expressed heartfelt gratitude to Dr. Aruna Bhat and the entire team for their dedicated service towards the health and welfare of students.

MVM Narsinghpur

The starting of new academic session of Maharishi Vidya Mandir, Narsinghpur was celebrated with great enthusiasm. The event was held under the divine blessings of Maharishi Ji and guidance of Hon'ble Chairman Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji. The celebration commenced with Shri Guru Paramapara Poojan and the sacred Satyanarayan Katha, followed by the soulful recitation of Sundarkand within the school premises, creating a spiritually uplifting atmosphere. This was followed by a well-organized stage program, which primarily focused on a Parents' meeting. Shri Jalam Singh Patel Ji, Hon'ble MLA as the chief guest and Smt. Kothari as the guest of honour have blessed the occasion. The occasion was further graced by the presence of several respected dignitaries and eminent citizens of the city.

The parents were assured about the study of regular subjects based on principles of Maharishi Consciousness Based Education. The regular practice of TM will make the students and teachers more focused and attentive. The school's vision, values, and future promotional plans were also effectively communicated. Many parents expressed their willingness to confirm admissions at the earliest.

MVM -1 Pithoragarh

Little graduate day programme

MVM Panna

दिनांक 02 अप्रैल 2026 को श्री हनुमान जयंती के पावन अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर, पन्ना में कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम समारोहपूर्वक घोषित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की परंपरा के अनुसार गुरु पूजन, सरस्वती पूजन एवं सामूहिक भावातीत ध्यान के अभ्यास के साथ हुआ, जिससे वातावरण अत्यंत शांत एवं आध्यात्मिक बन गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री पी. के. दीक्षित ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि विद्या एक ऐसा अक्षय धन है, जो खर्च करने पर और अधिक बढ़ता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्होंने यह भी कहा कि केवल अंकों के प्रतिशत के आधार पर किसी छात्र की योग्यता का आकलन नहीं किया जा सकता, बल्कि प्रत्येक बच्चे की विशेष प्रतिभा को पहचानकर उसे उसी दिशा में आगे बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है, जिसके लिए महर्षि विद्या मंदिर की एक विशिष्ट पहचान है।

तत्पश्चात प्राचार्य महोदय ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में उन्होंने उपस्थित अतिथिगण एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

MVM Jhunsi, Prayagraj

हवन–पूजनके साथ नवीन शैक्षिक सत्र की हुई शुरुआत

MVM - II Jabalpur

World Book Day Celebration

On 23rd April 2026, Maharishi Vidya Mandir celebrated World Book Day with great enthusiasm by organising a vibrant Book Fair and Book Exhibition in the school premises.

The event witnessed enthusiastic participation from students, who eagerly explored a wide variety of books and developed a deeper appreciation for literature and reading. The programme was graced by the presence of staff members, parents and students, making it a truly enriching and inclusive experience.

The initiative was organised under the able guidance of the school leadership, highlighting the importance of reading as a lifelong habit that nurtures imagination, knowledge and wisdom.

MVM Chhapara

World Earth Day Celebration

Maharishi Vidya Mandir, Chhapara celebrated the 'World Earth Day' with great zeal and enthusiasm in school campus. The celebration aimed to spread awareness among students about environmental protection and the importance of conserving natural resources.

Students actively participated in various activities such as essay writing, poster making and recitation competitions showcasing their creativity, awareness and commitment towards building a greener and cleaner future. Principal Smt. Manisha Bhargav inspired students to understand their responsibility towards Mother Earth and encouraged them to adopt eco-friendly habits in their daily lives.

MVM - I Chhatarpur

World Earth Day Celebrated

गौ सम्मान आवाहन अभियान कार्यशाला का आयोजन

MVM Gorakhpur - I

Workshop was organised for students of class 6, 7 and 8

Shri Vivek Srivastava, Principal, MVM-I Gorakhpur organised an engaging and inspiring motivational session for the students of class 6, 7 and 8. The session focused on encouraging students to believe in themselves, set clear goals and remain dedicated towards achieving success.

Through inspiring words, real-life examples and interactive discussions, students were motivated to develop confidence, positive thinking, and determination in their academic and personal lives. The session left a lasting impact on the young minds and encouraged them to move forward with Maharishi Ji's message 'Establish in pure Being, then perform'.

MVM Nadaun (Main)

महर्षि विद्या मंदिर नादौन कुथार में अत्यंत हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ विद्या आरंभ समारोह का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर वाटिका 1 के सभी नन्हे–मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सुशील अवस्थी तथा अध्यापकगण की उपस्थिति में श्रीगुरु परमपरा पुजन, माँ सरस्वती के पूजन एवं मंत्रोच्चारण से किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से भर गया।

विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया और विद्या के मार्ग पर अग्रसर होने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर बच्चों को शिक्षा की पहली सीढ़ी चढ़ाने हेतु विशेष रूप से लेखन का आरंभ कराया गया। परंपरा के अनुसार मोर पंख के माध्यम से बच्चों ने 'अ', 'आ' जैसे अक्षरों का लेखन प्रारंभ किया। इसके पश्चात कागज और कलम के साथ उन्हें विधिवत लेखन सिखाया गया। यह समारोह न केवल ज्ञानार्जन के आरंभ का प्रतीक बना, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाओं के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

MVM Haridwar

Annual Examination Result Day

The Annual Result Day for the academic session 2025–26 was celebrated with great enthusiasm on the school campus. On this occasion, Shri Rajeev Tyagi, Principal, MVM Haridwar honoured meritorious students with trophies in recognition of their outstanding achievements. The event became a proud and memorable moment for students, teachers and parents alike.

While addressing the gathering, Shri Rajeev Tyagi, Principal congratulated the students and encouraged them to remain dedicated towards their goals. He stated that success comes through hard work, discipline, and continuous effort. He also appreciated the commitment of the teachers and the valuable support of parents in achieving such remarkable academic results.

MVM Karimganj

A presentation focused on earthquakes in North-East India, with special emphasis on Assam and the Barak Valley region, was organised on 25 April 2026 at MVM Karimganj. The guest speaker was Dr. Pallabee Choudhary, Scientist, institute of Seismological Research, Gandhinagar, Gujrat.

She highlighted the tectonic faults and seismic vulnerability of the region, explaining that the frequent small earthquakes being experienced may serve as warning signs of a larger and more devastating earthquake in the future. She also discussed various measures of preparedness and disaster management to minimize loss of life and property during such calamities. Further, she strongly advocated for the establishment of a Seismological Centre in Assam, considering that the state falls under Seismic Zone V, the highest earthquake risk zone in India.

Acting upon her recommendation, the Assam Science Society and Maharishi Vidya Mandir, Karimganj have decided to jointly submit a memorandum to the competent authority for establishing a Seismological Centre in Assam.

MVM - II Naini, Prayagraj

Earth Day Celebrated at Maharishi Vidya Mandir, ADA Colony, Naini, Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir, ADA Colony, Naini, Prayagraj celebrated Earth Day on 22nd April 2026 with great zeal, enthusiasm, and awareness. The entire school was united to express love and responsibility towards Mother Earth. The theme for this year was *"Our Power, Our Planet"* and all the activities were based beautifully on this inspiring message.

The celebration began with a special morning assembly held in the school ground. The Principal Shri Amitesh Kumar Srivastava addressed the students and highlighted the importance of Earth Day for securing a better and greener future. A group of students also presented an energetic march past carrying placards and raising the slogan, "Go Green, Save Earth."

After the assembly, various activities were organised for students of all classes. Children prepared colourful posters carrying meaningful messages such as "Say No to Plastic" and spread awareness about environmental protection. Sapling plantation drive was also conducted in the school campus by the students along with the Principal and teachers encouraging everyone to contribute towards a greener environment. At the end of the programme, all students and teachers took an oath: *"We pledge to protect our Earth. We will save water, plant trees, and say no to single-use plastic."*

MVM - II Indore

On the beginning of new academic session on 2 April 2026, students from Nursery to Class VIII came to at Maharishi Vidya Mandir, South Tukoganj, Indore, with great enthusiasm and excitement. The teachers welcomed all the students warmly. Principal Smt. Nisha Verma guided them about classroom rules, discipline and the activities planned for the new session. This created a positive and joyful learning environment for the students.

MCEE Bhopal

The new academic session 2026–27 at MCEE Lambakheda commenced with great enthusiasm and joy as students received a warm welcome from the school staff. The campus was beautifully decorated, creating a cheerful and inviting atmosphere for both new and the students who passed out in the previous year from MCEE. Teachers greeted the students with smiles, sweets, and motivational messages, ensuring a positive and memorable start to the new session.

The highlight of the occasion was the inspiring welcome address delivered by the Principal Dr. J.P. Sharma who encouraged the students to begin the academic year with confidence and determination. He said, “This new session brings new opportunities. Work hard, stay disciplined, and believe in your abilities to achieve success”. The event concluded with excitement, positivity, and renewed enthusiasm among the students as they looked forward to a fruitful and successful academic journey in the year ahead.

MKH Karimganj

With the blessings of His Holiness Maharshi Ji, the inauguration of new Maharshi Kids Home was successfully organised.

After Shri Guru Parampara Pujan and the chanting of Vedic Mantras, the students were welcomed by Tilak ceremony. It was happily witnessed by large numbers of parents and students. A press meet was also held on this occasion.

अमृत कण: भावातीत ध्यान की प्रक्रिया को एक नदी के प्रवाह के रूप में समझा जा सकता है जो स्वाभाविक एवं प्रयासरहित रूप से सागर की ओर प्रवाहित होती है और सागर का रूप ग्रहण कर लेती है।

– ब्रह्मचारी गिरीश

Experiences of Bliss

With divine blessings of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, his most dedicated disciple Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji has started organising Maharishi World Peace Assemblies from 2022, This was the period when all the people of India and rest of the world has experienced the shock of the Covid pandemic.

These Maharishi World Peace Assemblies produced very cooling and soothing effects on all the people who participated in these Assemblies. They felt the power of bliss and more than that they also realise the magical effect of practicing Transcendental Meditation (TM), TM-Siddhi programme including Yogic Flying in a group.

It has been decided to pen down the experiences of participants of Maharishi World Assemblies is E-Gyan on a regular basis.

Two such Maharishi World Peace Assemblies were organised from 18 to 24 March and 19 to 22 April in 2026. The experience of some of the participants of these Assemblies are narrated below -

Experience of Sushri Priyanka Singh, MVM Hardoi –

" When I reached Maharishi Bliss Residency I felt like "Heaven on Earth". The premises was pious, positive and peaceful. I felt energetic and positive in that atmosphere. After doing Surya Arghya Arpan, Surya namaskar, Meditation and TM Siddhi Program I felt that it created a profound sense of inner peace, gratitude and community connection.

I had a wonderful experience during my stay as both the accommodation and the food was exceptional. The rooms were very comfortable and clean, ensuring a pleasant stay. Furthermore, the food was delicious and freshly prepared, with variety of tasty options. We visited many places like Bhojpur Shiv Mandir, Birla Mandir, Birla Mandir, Tribal museum and Bada Talab where we had done boating. We enjoyed a lot in this trip. I am grateful to Principal MVM Hardoi that the chance was given to me to come here.

Experience of Sushri Sushila Dubey, MVM Shahdol –

''महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष द्वारा आयोजित कार्यक्रम महर्षि विश्व शांति समागम का मेरा अनुभव था कि भारतीय वेदों में निहित ज्ञान के आधार पर भारतीय विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ चेतना पर आधारित शिक्षा प्रदान करने का प्रबंध किया जाए, जिससे सभी पूर्ण विकसित, ओज–तेजवान सर्वसमर्थ, चेतनावान होकर आदर्श नागरिक बन सकें।

उस दिव्य अलौकिक वातावरण में स्वर्ग की अनुभूति हुई, मैंने स्वर्ग के बारे में सिर्फ सुना था वह क्या होता है? यह मैंने महर्षि आनंद निकेतन में जाकर महसूस किया। वहाँ का वातावरण पवित्र, सकारात्मक, शांतिमय एवं अलौकिक था।

आवासीय सुविधा बहुत ही उत्तम थी, कक्षा आरामदायक और साफ–सुथरे थे, जिसमें सुखद प्रवास सुनिश्चित किया। उसके अलावा खाना स्वादिष्ट और ताजा तैयार किया जाता था, जिसमें चुनने के लिए विकल्प थे।

ऐसे वातावरण में जाकर हम स्वयं को भाग्यशाली और महर्षि शिक्षा संस्थान में शिक्षिका के पद में कार्य करते हुये हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

मैं प्राचार्या महोदया का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने मुझे ऐसे अभूतपूर्व, अविस्मरणीय, अलौकिक वातावरण में आने का अवसर प्रदान किया।

Experience of Master Shriram Krishnan student of class IX of MVM Hyderabad -

"Attending the Maharishi Spiritual Regeneration Congregation at Bhopal from 19th to 22nd April 2026 was a wonderful and unforgettable experience for me. I sincerely thank Maharishi Sansthan and my school, Maharishi Vidya Mandir Hyderabad, for giving me this special opportunity to learn more about our Vedic culture and traditions.

During the four-day program, I practiced Surya Arghya Arpan, Surya Namaskar, Yogasanas, and Pranayama, which made me feel fresh, calm, and energetic. Learning about Transcendental Meditation, the TM Siddhi Programme, Bhagavad Gita chanting, and Maharishi Ji's teachings inspired me to think positively and stay focused. Visiting the museums, Gau-shaala, Bhojpur Shiv Mandir, and other temples was also a very memorable experience.

Interacting with Hon'ble elders, respected teachers, and new friends was something very special for me. This congregation taught me discipline, positive thinking, and how to stay calm and happy in every situation. I will always remember and cherish these valuable experiences and lessons.

Pleasure note of Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman, MVM Schools Group -

"Very good to know this. I wish that more and more students and others attend such Assemblies and get enlightening life supporting knowledge."

News Clipping

हनुमान टोरिया में महर्षि विद्या मंदिर द्वारा भावातीत ध्यान का किया गया आयोजन

छतरपुर 19 अप्रैल (कासं)। महर्षि विद्या मंदिर देरी रोड के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं द्वारा महर्षि विश्व शांति अभियान के अंतर्गत 19 अप्रैल को हनुमान टोरिया परिसर में भावातीत ध्यान का विशेष आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को मानसिक शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करना था। प्रशिक्षित ध्यान शिक्षकों द्वारा सभी प्रतिभागियों को भावातीत ध्यान की विधि विस्तार से समझाई गई तथा अभ्यास भी कराया गया।

प्राचार्य देवांश भरतद्वाज उपाध्याय ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास, तनाव में कमी और पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन में मदद मिलती है। कार्यक्रम के दौरान शांतिपूर्ण एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा, जिससे सभी प्रतिभागियों ने आत्मिक शांति का अनुभव किया। इस अवसर शिक्षिका इंदु सिंह ने भी भावातीय ध्यान के महत्व को बताया।

अंत में विद्यालय के प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा, जिससे व्यक्ति का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर प्राचार्य देवांश भरतद्वाज उपाध्याय, प्रशासनिक अधिकारी राहुल सिंह कुशवाह, शिक्षक गनेश सिंह बिसेन, रामलखन शर्मा, मनोज कुमार पाठक, रामफल मिश्रा शिक्षिका इंदु सिंह, ध्यान शिक्षिका उषा मिश्रा इत्यादि उपस्थित रहे।

महर्षि विद्यालय में हुआ अक्षय तृतीया महोत्सव का आयोजन

भास्कर ब्यूरो

महर्षि विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शिक्षिकाएं

फतेहपुर। महर्षि विद्या मन्दिर में महर्षि विश्व शान्ति आन्दोलन के तत्वावधान में अक्षय तृतीया के अवसर पर सहस्त्र शीर्षा पुरुष मण्डल का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ वैदिक गुरु परम्परा पूजन एवं सामूहिक भावातीत ध्यान के अभ्यास से हुआ। अतिथियों को प्रधानाचार्य द्वारा पुष्पगुच्छ व महामींडिया की प्रति भेंटकर सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि महर्षि के तपोनिष्ठ शिष्य महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह एवं विश्व शान्ति आन्दोलन के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तण्ड ब्रम्हचारी गिरीश जी द्वारा विश्व शान्ति के लिए अनेको प्रकल्प चलाये जा रहे है। मुख्य अतिथि के रूप में सहस्त्रशीर्षा पुरुषा मण्डल जिला इकाई के अध्यक्ष डॉ० अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि आज का दिन शास्त्रीय दृष्टि से अत्यन्त पावन है। महर्षि विद्या मन्दिर आधुनिक विद्या के साथ शास्त्रीय व वैदिक संस्कारो पर आधारित शिक्षण प्रदान कर रहा है। विशिष्ट अतिथि भारत विकास परिषद के जिलाध्यक्ष महेन्द्र गुप्ता ने कहा कि विद्यालय के बच्चों ने जो कार्यक्रम प्रस्तुत किये यह देखकर लगता है कि पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी समान बल दिया जाता है।

छात्र अभिनव सिंह ने भजन गाकर सभी को मंत्र कर दिया। पीस वॉलिंटियर्स श्रेष्ठ द्विवेदी, आनंद, दुष्यंत, प्रांजल, हर्ष, सक्षम, अंशिका, आराध्या, रिद्धिमा, अनन्या, श्रद्धा आदि को अतिथियों द्वारा राष्ट्र में सुख, शांति, समृद्धि बढ़ाने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। प्रधानाचार्य श्री त्रिपाठी ने कहां के परम पूज्य महर्षि द्वारा प्रदत भावातीत ध्यान की इस अक्षय तकनीक को अपने जीवन में अपनना है जिससे प्रत्येक व्यक्ति एवं विश्व के समस्त राष्ट्रों में सुख समृद्ध शांति और आगे का स्थापित हो सके इस अवसर पर जिला संयोजक अजय गुप्ता, सचिव सूर्यकान्त मिश्रा, लाल चन्द्र गुप्ता कोषाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

महर्षि स्कूल में समृद्धि प्रजापति ने किया टॉप

सिटी भास्कर | छतरपुर

देरी रोड स्थित महर्षि विद्या मंदिर ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए कक्षा 10वीं के सीबीएसई परीक्षा परिणाम में जिले में अपना परचम लहराया है। विद्यालय की छात्रा समृद्धि प्रजापति ने 98.4% अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आरुष अग्निहोत्री ने 97.2% अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा अभय लखेर ने 96.6% अंकों के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। विषयवार उत्कृष्ट प्रदर्शन में सामाजिक विज्ञान में समृद्धि प्रजापति तथा आरुष अग्निहोत्री ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। विद्यालय का कुल परिणाम 100 प्रतिशत रहा, जो संस्था की गुणवत्ता एवं शिक्षण स्तर को दर्शाता है। विद्यालय के प्राचार्य देवांश भारद्वाज उपाध्याय ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा होनहार विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

निक भास्कर
Fri, 17 April 2026
https://epaper.bhaskarhi

नव स्वदेश Swadeshnews.in
सतना, बुधवार 22 अप्रैल 2026 10
पन्ना/धनपुरी

महर्षि विद्या मंदिर में मनाया गया अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम प्रकटोत्सव

स्वदेश संवाददाता ■ पन्ना

20 अप्रैल को अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के शुभ अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल पन्ना में कार्यक्रम का आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा भाव से किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ महर्षि विश्व शांति आंदोलन के ध्वजारोहण एवं विद्यालय परंपरानुसार गुरु पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ भगवान परशुराम के चित्र में माल्यार्पण एवं पूजन के पश्चात विद्यालय के ध्यान शिक्षकों के मार्गदर्शन में भावातीत ध्यान का अभ्यास किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय प्राचार्य पी.के. दीक्षित ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को अक्षय तृतीया का महात्म बताया एवं महर्षि शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष वेद विद्या मारतण्ड बृम्हचारी गिरीश द्वारा

प्रेषित संकल्प संदेश पढ़कर सुनाया। सभी छात्र-छात्राओं एवं समस्त विद्यालय स्टॉफ ने विश्व शांति के ध्वज के नीचे विश्व शांति का संकल्प/शपथ लिया। यहां पर उल्लेखनीय है कि विश्व भर में आज समस्त महर्षि शिक्षा संस्थानों के लाखों छात्र/छात्राओं एवं लगभग 15000 से अधिक कर्मचारियों अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर अक्षय तृतीया का उत्सव मनाया एवं अपनीपठन-पाठन एवं अन्य उपलब्धियों को श्रीगुरुदेव के चरणों में समर्पित किया। इस अवसर पर महर्षि महेश योगी के प्रयासों से संपूर्ण विश्व में भारतीय वैदिक ज्ञान-विज्ञान का प्रचार जो कि विश्व एवं समाज के पुनर्जागरण, पुनर्स्थापना हेतु महान ऐतिहासिक कार्य है को अधिक से अधिक प्रचारित करने एवं उनसे प्रेरणा लेकर विश्व बंधुत्व की राह पर निरंतर अग्रसर रहने का आशीर्वाद श्री गुरुदेव से प्राप्त किया ताकि संपूर्ण विश्व एक सुगठित एवं अनुशासित इकाई के रुप में परिवर्तित हो सके। अंत में प्राचार्य पी.के. दीक्षित ने समस्त छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ उपस्थित समस्त अतिथिओं, अभिभावकों, छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

आज
प्रयागराज, शुक्रवार ३ अप्रैल २०२६

एमवीएम में हुआ हनुमान चालीसा का ११ बार सामूहिक पाठ

झूंसी (प्रयागराज)। झूंसी स्थित महर्षि विद्या मंदिर में हनुमान जयंती पर श्रद्धा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा के बीच हनुमान चालीसा का ११ बार सामूहिक पाठ आयोजित किया गया जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।यह आयोजन परम पूज्य महर्षि महेश योगी की पावन प्रेरणा एवं वेद विद्या मार्तंड गिरीश चंद्र वर्मा अध्यक्ष, महर्षि विद्या मंदिर स्कूल समूह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु परंपरा पूजन एवं भावातीत ध्यान के साथ हुई। पूजन के उपरांत हनुमान चालीसा का ११ बार सामूहिक पाठ किया गया जिसमें विद्यालय परिवार ने पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ सहभागिता की। पूरा परिसर 'जय श्री राम' और 'बजरंगबली की जय' के जयघोष से गूंज उठा। विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि भावातीत ध्यान और ऐसे आध्यात्मिक कार्यक्रम विश्वशांति और मानव कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा भी देते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सक्रिय उपस्थिति रही। हनुमान जयंती का यह आयोजन सनातन संस्कृति, भक्ति और आध्यात्मिक एकता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

खिलाफ पार्षद

नैनी (प्रयागराज)। जेल रोड पावर हाउस में सम्बद्ध जेई के द्वारा स्थानीय पार्षद तथा बीजेपी युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष से बदसलूकी किये जाने के विरोध में खरकौनी पार्षद और पूर्व जिला अध्यक्ष ने जेल रोड पावर हाउस परिसर में गुरुवार को धरना शुरू कर दिया। पार्षद और पूर्व जिला अध्यक्ष ने मांग की है कि दोषी अधिकारी को तुरंत दंडित किया जाए। धरना के दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। इस दौरान बिजली अधिकारियों के विरोध में जमकर नारेबाजी की गयी। पिछले दिनों जेल रोड पावर हाउस से संबंध खरकौनी मोहल्ले में स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान बिजली विभाग के जेई और संविदा कर्मियों से स्थानीय पार्षद रणविजय सिंह, डब्बू और बीजेपी के युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष

हनुमान जयंती पर हुआ सुंदरकांड पाठ और भंडारा

पूर्व अध्यक्ष उमाकांत तिवारी के नेतृत्व में हुआ आयोजन

कोरांव (प्रयागराज)। बृहस्पतिवार को हनुमान जयंती के पावन अवसर पर तहसील कोरांव में हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड पाठ और भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं के साथ तहसील पहुंचे फरियादियों ने भी बड़-

महर्षि विद्या मंदिर में पूजा करते प्राचार्य व बच्चे।

महर्षि विद्या मंदिर में अक्षय तृतीया धूमधाम से मनाई गई

न्याय आपका संवाददाता सुलतानपुर। महर्षि विद्या मंदिर में अक्षय तृतीया का पर्व श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत गुरु पूजा से हुई, जिसमें विद्यालय परिवार ने भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। प्रधानाचार्य जे.एन. उपाध्याय ने सभी को अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पावन दिन किया गया प्रत्येक शुभ कार्य अक्षय फल प्रदान करता है। उन्होंने इस पर्व को सुख-समृद्धि, खुशहाली और सफलता का प्रतीक बताते हुए माँ लक्ष्मी की कृपा से जीवन में उन्नति की कामना की। उन्होंने बताया कि इसी दिन महर्षि 'सहस्त्रशीर्षा पुरुषा मंडल' की स्थापना की गई थी। महर्षि के 'विश्व शांति एवं भूतल पर स्वर्ग निर्माण' के संकल्प को साकार करने के लिए भावातीत ध्यान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश के संकल्प को दोहराते हुए सभी ने महर्षि के विचारों को समाज में प्रसारित करने का संकल्प लिया। वैदिक विद्वान राम मूर्ति चतुर्वेदी की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसमें प्रधानाचार्य मुख्य यजमान रहे। इस अवसर पर गौरी-गणेश पूजन के साथ भगवान परशुराम की विधि-विधान से आराधना की गई। आरती के पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सराहनीय

← सतना - नव स्वदेश 03042026
सतना, शुक्रवार 3 अप्रैल 2026 10

महर्षि विद्या मंदिर का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

स्वदेश संवाददाता ■ पन्ना

श्री हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर सुबह 10 बजे से सी.बी.एस.ई. महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल का द्वितीय चरण का (कक्षा8वीं, 9वीं एवं 11वीं) परीक्षा परिणाम समारोह पूर्वक घोषित किया गया जिसमें कु. सेजल रजक कक्षा 8वीं (98.43 प्रतिशत), कु. शेख शिवॉन खान कक्षा 9वीं (93 प्रतिशत) एवं कु. प्रियांशी गोस्वामी कक्षा 11वीं (89 प्रतिशत) ने अपने-अपने कक्षा में स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुवात विद्यालय परंपरानुसार गुरु पूजन, सरस्वती पूजन एवं भावातीत ध्यान के अभ्यास के साथ हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पी.के. दीक्षित ने सभी अतिथियों अभिभावकों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या एक ऐसा अक्षय धन है जो खर्च करने पर बढ़ता है और इसलिए सभी माता-पिता अभिभावकों को अपने पाल्य को विद्या अध्ययन में हर संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन करना चाहिए। केवल अंकों के प्रतिशत से किसी छात्र को योग्य/अयोग्य नहीं कहा जा सकता बल्कि बच्चे के विशेष योग्यता वाले क्षेत्र को पहचान कर उसे उसमें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। इसलिए छात्र/छात्राओं को संस्कारों की शिक्षा अवश्य दी जानी चाहिए और जिसके लिए महर्षि विद्या मंदिर की अपनी अलग पहचान है एवं छात्रों के शिक्षण में वांछित सहयोग ज्ञान प्राप्ति की गति को कई गुना बढ़ा देता है। अतः हर माता-पिता/अभिभावकों को बच्चों के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। संपूर्ण सत्र 2025-26 में विद्यालयीन सभी गतिविधियों को चलचित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय प्राचार्य ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त समस्त छात्र/छात्राओं को उनके परीक्षा परिणाम के लिये बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा अतिथिगणों, छात्र/छात्राओं के अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए जय गुरुदेव के उद्घोष के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 203 edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail cpr@mssmail.org as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyaan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2026 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of ***Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, *Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,* ***Phone:*** *+91 755 4087351*